Chanakya 003 002 (1)

नमस्कार, मध्यप्रदेश के सम्रिद और रोचक इतिहास की इस यात्रा में आपका स्वागत है। मैं आपका वर्च्वल गाइड हूँ और आज हम इस राज्जे के प्राचीन गुफाओं से लेकर स्वतंतरता संग्राम में इसकी भूमिका तक सब कुछ जानेंगे। चलिए शुरुवात करते हैं। हम शुरुवात करते हैं प्रागयतिहासिक यूग से। भोपाल के पास स्थित भीमबेट का गुफाएं मानव सब्भियता की सबसे पुरानी जहलक हैं। ये अद्भुत गुफाचित्र 10,000 ईसा पूर्व के हैं और इन में शिकार अनुष्ठान और दैनिक जीवन के द्रिशे हैं। क्या यह रोचक नहीं है। आगे बढ़ते हुए महाजनपद काल में मद्यप्रदेश अवन्ती जैसे महाजनपदों का केंडर था। इसकी राजधानी उज्जैनी व्यापार, शिक्षा और संस्कृती का प्रमुख केंडर थी। कल्पना कीजिये उस समय उज्जैन के बाजारों में व्यापारियों और विद्वानों का जमावड़ा कैसा रहा होगा। अब हम मद्यकालिन यूग की ओर बढ़ते हैं, जिसे शक्तिशाली राजवन्शों और अद्भूत स्थापत्य कलाने चेहनित किया। माल्वा के परमारों का राज, जिनकी राजधानी धार थी, मद्यप्रदेश के गौरवशाली राजवन्शों में से एक था। राजा भोज, एक प्रसिद्ध शासक, न केवल योधा थे, बलकी एक महान विद्वान भी थे। उनके योगदान में भोजपुर मंदिर जैसे अद्भूत निर्मान शामिल हैं। इसके बाद, बुंदेलखंड के चंदेलों ने हमें खजुराहो के मंदिर दिये, जो यूनिसको की विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं। ये मंदिरकला, आध्यात्मिकता और जीवन के विभिन पहलूं को दर्शाते हैं। फिर, दिली सल्तनत और मुगल सामराज्य के अधीन, मद्यप्रदेश के शहर जैसे गॉलियर और मांडू संस्कृतिक और प्रशासनिक केंद्र बन गए। आधुनिक यूग में, मद्यप्रदेश ने महत्वपूर्म बदलाव देखे। मुगलों के पतन के बाद, मराठा सा सम्भाली। इंदोर के होलकर, गॉलियर के सिंधिया और धार के पवार जैसे शासकों ने इस शेत्र पर शासन किया। जब अंग्रेजों ने सत्ता सम्भाली, तो मद्यप्रदेश 1857 के विद्रोह का एक प्रमुख केंद्र बन गया। रामगड की राणी अवंती बाई और ◆ सात्या टोपे जैसे नाईकों ने अंग्रेजों के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी। आदिवासी नेता तांत्या भील ने ब्रिटिश शोषन का कड़ा विरोध किया। प्रिश्ट भूमी में सांची स्तूप, मांडू किला और गॉलियर किला जैसे स्थलों की त धरोहर का प्रतीक है। गॉलियर किला, जिसे भारत के किलों का मोती कहा जाता है, स्थापत्य कला का अद्भूत नमूना है। और मांडू, जो अपनी प्रेम कहाणियों और शांदार वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। स्वतंत्रता संग्राम में मध्य प्रदेश का मह पूर्म योगदान रहा है। चंदरशेकर आजाद, जो अली राजपूर से जुड़े थे, अपने क्रांतिकारी कारियों के लिए जाने जाते हैं। मध्य प्रदेश के लोगों ने असयोग आंधोलन और भारत चोड़ो आंधोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रा◆ पी एसी परीक्षा के लिए, शास्कों, एतिहासिक स्थलों और राज्य की सामाजिक वे संस्कृतिक धरोहर पर ध्यान केंद्रित करें। याद रखे, इतिहास को समजना हमें वर्तमान को सराहने और भविष्य की तैयारी करने में मदद करता है। इस यात्रा में शामिल होने के लिए धन्यवाद। आपकी तैयारी के लिए शुब कामनाएं। अगले पाठ में मिलते हैं।

सारांश (Summary)

1. मध्यप्रदेश का समृद्ध और रोचक इतिहास

मध्यप्रदेश का इतिहास **प्राचीन गुफाओं से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक** अनेक घटनाओं से समृद्ध है। यह राज्य **सांस्कृतिक, स्थापत्य और राजनीतिक योगदान** के लिए प्रसिद्ध रहा है।

---

2. प्रागैतिहासिक युग

- **भीमबेटका गुफाएँ (भोपाल के पास स्थित):**
  - मानव सभ्यता की सबसे पुरानी झलक प्रस्तुत करती हैं।
  - *10,000* ईसा पूर्व के गुफाचित्र, जो शिकार, अनुष्ठान और दैनिक जीवन के दृश्यों को दर्शाते हैं।

---

3. महाजनपद काल *(Ancient Period)*

- **अवंती महाजनपद:**
  - राजधानी उज्जयिनी *(*वर्तमान उज्जैन*)* थी।
  - व्यापार, शिक्षा और संस्कृति का प्रमुख केंद्र था।
  - उस समय उज्जैन के बाजारों में व्यापारियों और विद्वानों की चहल-पहल होती थी।

---

4. मध्यकाल *(Medieval Period)*

- **परमार वंश (मालवा) और राजा भोज:**
  - राजधानी धार थी।
  - राजा भोज केवल योद्धा नहीं बल्कि महान विद्वान भी थे।
  - उन्होंने भोजपुर मंदिर जैसे भव्य निर्माण कराए।
- **चंदेल वंश (बुंदेलखंड):**
  - खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिरों का निर्माण किया।
  - ये मंदिर कला, आध्यात्मिकता और जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं।
  - यूनिस्को विश्व धरोहर स्थलों में शामिल हैं।
- **दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य:**
  - ग्वालियर और मांडू प्रशासनिक और सांस्कृतिक केंद्र बने।
  - मांडू प्रेम कहानियों और शानदार वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध हुआ।

---

5. आधुनिक युग *(Modern Period)*

- **मराठा शासन:**
  - मुगलों के पतन के बाद मराठों ने सत्ता संभाली।

    - इंदौर के होलकर, ग्वालियर के सिंधिया, और धार के पवार जैसे शासकों का शासन रहा।
- **1857 का स्वतंत्रता संग्राम:**
    - रामगढ़ की रानी अवंती बाई और तात्या टोपे जैसे स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया।
    - आदिवासी नेता तांत्या भील ने ब्रिटिश शोषण का कड़ा विरोध किया।

---

6. ऐतिहासिक धरोहर स्थल

- **सांची स्तूप:** बौद्ध कला और संस्कृति का प्रतीक।
- **ग्वालियर किला:** जिसे "भारत के किलों का मोती" कहा जाता है, स्थापत्य कला का उत्कृष्ट नमूना।
- **मांडू किला:** प्रेम कहानियों और भव्य वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध।

---

7. स्वतंत्रता संग्राम में मध्यप्रदेश का योगदान

- **चंद्रशेखर आज़ाद (अलीराजपुर से जुड़े):**
    - अपने क्रांतिकारी कार्यों के लिए जाने जाते हैं।
- **महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन में मध्यप्रदेश के लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई।**

MPPSC परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण बिंदु

✅ शासकों, ऐतिहासिक स्थलों और राज्य की सामाजिक एवं सांस्कृतिक धरोहर पर ध्यान दें।
✅ इतिहास को समझने से वर्तमान को सराहने और भविष्य की तैयारी में मदद मिलती है।
✅ मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक विकास को अच्छे से पढ़ें।

इस अध्ययन यात्रा में शामिल होने के लिए धन्यवाद! **आपकी परीक्षा की तैयारी के लिए शुभकामनाएँ!** 🎯📚

प्रश्नमंजूषा (Quiz)

1. भीमबेटका गुफाएँ किस काल से संबंधित हैं?
✅ **प्रागैतिहासिक काल**
❌ महाजनपद काल
❌ मध्यकाल
❌ आधुनिक काल

2. मध्यप्रदेश के किस शासक ने भोजपुर मंदिर का निर्माण कराया?
✅ **राजा भोज**
❌ विक्रमादित्य

✗ चंद्रगुप्त मौर्य
✗ रानी दुर्गावती

3. 1857 के विद्रोह में मध्यप्रदेश की कौन सी वीरांगना शामिल थीं?
☑ **रानी अवंतीबाई**
✗ रानी लक्ष्मीबाई
✗ रानी पद्मावती
✗ रानी दुर्गावती

4. "भारत के किलों का मोती" किस किले को कहा जाता है?
☑ **ग्वालियर किला**
✗ मांडू किला
✗ चित्तौड़गढ़ किला
✗ आगरा किला